

## सीमांत परवतीय जनपद बाल वज्जिज्ञान महोत्सव-2022 का शुभारंभ

### चर्चा में क्यों?

19 नवंबर, 2022 को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने राज्य के चंपावत के जवाहर नवोदय वदियालय में उत्तराखण्ड राज्य वज्जिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परषिद (यूकॉसट) देहरादून एवं ज़िला प्रशासन चंपावत के संयुक्त तत्वावधान में दो दविसीय सीमांत परवतीय जनपद बाल वज्जिज्ञान महोत्सव-2022 का शुभारंभ कया ।

### परमुख बदि

- इस अवसर पर महोत्सव में वज्जिज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु 5 वैज्जिज्ञानिकों व व्यत्तयियों को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानति कया गया ।
- मुख्यमंत्री ने बताया कयिह महोत्सव ऐसा पहला वज्जिज्ञान आधारति महोत्सव है जो दूरस्थ क्षेत्रों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के लयि आयोजति कया जा रहा है । इसमें राज्य के सीमांत 6 जनपदों से आए सभी वदियार्थयियों, शकिषकों के अलावा वैज्जिज्ञानिक और प्रबुद्ध जन शामिल हुए ।
- उनहोंने बताया कयि इस महोत्सव का मुख्य वषिय पारंपरिक ज्ज्ञान और आधुनकि वज्जिज्ञान है । पारंपरिक ज्ज्ञान और आधुनकि वज्जिज्ञान, वकिस के दो ऐसे घटक हैं जो वज्जिज्ञान आधारति वकिस के लयि सुदृढ़ नींव का काम करते हैं । यह प्रथम सीमांत परवतीय जनपद बाल वज्जिज्ञान महोत्सव राज्य में वैज्जिज्ञानिक अवधारणा को पुष्ट करने का कार्य करेगा ।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने बताया कयि इस वज्जिज्ञान महोत्सव के आयोजन का उद्देश्य राज्य के परत्येक दूरस्थ क्षेत्र तक वैज्जिज्ञानिक तकनीक पहुँचाना और जन-जन तक वज्जिज्ञान और हर बच्चे में वैज्जिज्ञानिक सोच वकिसति करना है ।
- महोत्सव में आयोजति होने वाली वभिन्न प्रतयिगतिओं (पोस्टर मेकगि, ड्रामा, वज्जिज्ञान प्रश्नोत्तरी, कवति पाठ आदि) के माध्यम से सभी बच्चे अपनी अभ्रुचयियों से रूबरू होंगे ।
- उनहोंने बताया कयि चंपावत की भौगोलकि परस्थितयिओं पूरे उत्तराखण्ड राज्य का प्रतनिधितिव करती हैं । यहाँ पर मैदानी, उच्च एवं मध्य हिमालयी क्षेत्र हैं, इसीलयि सरकार ने आदर्श उत्तराखण्ड के लयि सबसे पहले चंपावत जनपद को मॉडल जनपद के रूप में वकिसति करने का नरिणय लया है, जसिके लयि राज्य सरकार के सभी वभिग अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं और यूकॉसट इसमें नोडल एजेंसी का कार्य कर रहा है ।
- राज्य में वैज्जिज्ञानिक सोच को जागृत करने, वज्जिज्ञान शकिषा के प्रचार-प्रसार हेतु और नवाचार अनुसंधान को प्रोत्साहति करने के लयि साइंस सटि का नरिमाण कया जा रहा है । राज्य के हर क्षेत्र तक अनुसंधान और शोध गतवधियिओं को पहुँचाने हेतु लैब्स ऑन व्हील का कांसेप्ट राज्य के हर जनपद के लयि लाया गया है, ताक राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक भी शोध और अनुसंधान गतवधियिओं पहुँच सकें ।
- अंतरकिष प्रौद्योगिकी में जागरूकता हेतु हल्द्वानी में यूकॉसट और एरीज साथ मलिकर 'एस्ट्रो पार्क' का नरिमाण कर रहे हैं जो पारंपरिक और आधुनकि ज्ज्ञान एवं वज्जिज्ञान का मशिरण होगा ।
- अल्मोड़ा में एक उप क्षेत्रीय वज्जिज्ञान केंद्र का भी नरिमाण कया जा रहा है जहाँ पर वज्जिज्ञान आधारति गतवधियिओं और कार्यक्रम संचालति होंगे तथा चंपावत में वज्जिज्ञान केंद्र की स्थापना प्रस्तावति है ताक क्षेत्र में वज्जिज्ञान आधारति शकिषा और जागरूकता का संचार हो ।